होली की तैयारी | Holi Ki Tayari PDF in Hindi

होली वाले दिन होलिका दहन किया जाता है। इसके पीछे एक प्राचीन कथा हैI कि दीति का पुत्र हिरण्यकश्यप भगवान विष्णु से अधिक शत्रुता रखता था। इसने अपनी शक्ति के घमंड में आकर स्वयं को भगवान कहना शुरू कर दिया और घोषणा कर दी कि राज्य में केवल उसी की पूजा की जाएगी। उसने अपने राज्य में हवन और आहुति बंद करवा दी और भगवान के भक्तों को परेशान करना शुरू कर दिया।

हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रहलाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। पिता के लाख कहने के बावजूद प्रहलाद विष्णु की भक्ति करता रहा। असुराधिपति हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को मारने की भी कई बार कोशिश की, परंतु भगवान स्वयं उसकी रक्षा करते रहे और उसका बाल भी बांका नहीं हुआ।

pdfinbox.com